निर्देश :– सभी प्रश्नों के अंक समान हैं एंव किसी भी प्रश्न के असत्य उत्तर के लिए ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं है।

(1) उत्क्षेप और स्थपनी किस प्रकार के मर्म है ? (सु. शा. 6/11)
- (अ) सद्यःप्राणहर
- (ब) कालान्तर प्राणहर
- (स) रूजाकर
- (द) विशल्यघ्न

(2) चरकानुसार 'अभेषज' के भेद होते हैं। (च. चि. 1/1 पाद/5)
- (अ) 2
- (ब) 4
- (स) 9
- (द) अपरिसंख्येय

(3) काश्यप के अनुसार 'विशालस्तब्धनयन पर्वभेदोऽरतिक्लमः' किस व्याधि का लक्षण है। (का. सू. वेदना अध्याय 25)
- (अ) आनाह
- (ब) आमदोष
- (स) मूर्च्छा
- (द) शिरःशूल

(4) साध्य व्याधियों के कितने भेद होते है ? (च. सू. 10/9)
- (अ) 2
- (ब) 3
- (स) 4
- (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(5) स्वर्णवंग में 'स्वर्ण' का प्रतिशत है ? (च. सू. 18)
- (अ) 2 %
- (ब) 4 %
- (स) 5 %
- (द) **Zero %**

(6) 'सैंधवादि अनुवासन वस्ति' किसमें देते है।' (चक्रदत्त 25/9)
- (अ) आमवात
- (ब) वातरक्त
- (स) संधिवात
- (द) गुल्म

(7) सुश्रुतानुसार उर्ध्वजत्रुगत सिराओं की संख्या होती है ? (सु. शा. 37/50)
- (अ) 164
- (ब) 136
- (स) 41
- (द) 32

1. D	**2. A**	**3. A**	**4. A**	**5. D**	**6. A**	**7. A**

(8) ..... च सोमराजी विपाचिता। (च. सू. 2/24)
- (अ) विषघ्नी
- (ब) पक्वाशयरूजापहा
- (स) मदविनाशिनी
- (द) वातानुलोमनी

(9) चरक संहिता सूत्र स्थान के 'आरग्वधीय अध्याय' में किस प्रकार की औषध का वर्णन है ?
- (अ) अन्तः परिर्माजन
- (ब) बहिः परिर्माजन
- (स) शस्त्रप्रणिधान
- (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(10) उपशेते यदौचित्यात् ..... सात्म्यं तदुच्यते। (च. सू. 6/49)
- (अ) देश
- (ब) रोगः
- (स) ओकः
- (द) काल

(11) परूषक की **family** है ?
- (अ) **Compositae**
- (ब) **Apocyanaceae**
- (स) **Capparidaceae**
- (द) **Tilliaceae**

(12) 'आयुर्वेद प्रकाश' के लेखक हैं ?
- (अ) शंकर
- (ब) माधव उपाध्याय
- (स) वोपदेव
- (द) गणनाथसेन

(13) यस्य लेखने शक्ति सः .....। (हेमाद्रि)
- (अ) विशद
- (ब) खर
- (स) रोपण
- (द) कठिन

(14) प्रकृति की संख्या हैं ?
- (अ) अष्ट
- (ब) षोडश
- (स) चर्तुविशंति
- (द) सप्तदश

8. A	**9. B**	**10. C**	**11. D**	**12. B**	**13. B**	**14. A**

(15) 'कुनटी' किसका पर्याय है ?
- (अ) हरताल
- (ब) मनःशिला
- (स) गंधक
- (द) कंकुष्ठ

(16) 'गौरीतेज' किसका पर्याय है ?
- (अ) पारद
- (ब) अभ्रक
- (स) गंधक
- (द) कासीस

(16) 'छेद्य' नेत्र रोगों की संख्या है ?
- (अ) 9
- (ब) 11
- (स) 5
- (द) 7

(18) अश्मरी की चिकित्सा है। (सु. चि. 7/3)
- (अ) औषध
- (ब) शस्त्रकर्म
- (स) दोनों
- (द) असाध्य है

(19) 'वृषणयोरवदरणं' कौनसे प्रमेह का उपद्रव है। (सु. नि. 6/15)
- (अ) वातज
- (ब) पित्तज
- (स) कफज
- (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(20) 'मूठगर्भोदरार्शोऽशमरीभगन्दरमुखरोगेषु' ..... में शस्त्रकर्म का विधान है ? (सु. सू. 5/16)
- (अ) अभुक्तवतः
- (ब) पश्चातभक्त
- (स) सामुदग्
- (द) प्राग्भक्त

(21) चरकानुसार 'शस्तं वातकफानाहक्रिमिशोफोदरार्शनाम्' – किसके दुग्ध के गुणधर्म है। (च सू. 27/220)
- (अ) माहिषी क्षीर
- (ब) गव्य क्षीर
- (स) छाग क्षीर
- (द) उष्ट्र क्षीर

15. B	**16. B**	**17. B**	**18. C**	**19. B**	**20. A**	**21. D**

(22) रस तरंगिनी के अनुसार 'पारद के मलदोष' का निवारण किससे करते है ? (र. त. 5/23)
- (अ) त्रिफला
- (ब) चित्रक
- (स) गृहकन्या
- (द) राजवृक्ष

(23) चरकानुसार 'हपुषाद्य' घृत का रोगाधिकार है ? (च. चि. 5/73)
- (अ) उदररोग
- (ब) गुल्म
- (स) उन्माद
- (द) वातरक्त

(24) 'व्रणशोफ' के उपक्रम हैं ? (सु. सू 17/22–23)
- (अ) 7
- (ब) 24
- (स) 36
- (द) 60

(25) चरकानुसार 'विष' के उपक्रम हैं ? (च. चि. 23/35–37)
- (अ) 7
- (ब) 24
- (स) 36
- (द) 60

(26) 'चतुर्विध अपकर्षण' (शिरोविरेचन, वमन, विरेचन, आस्थापन) का निर्देश किसके संदर्भ में हैं ? (च. वि. 7/15)
- (अ) कृमि रोग
- (ब) रक्तपित्त
- (स) आमवात
- (द) वातव्याधि

(27) वाग्भट्टानुसार 'वात के आवरण' होते हैं ? (अ. हृ. नि. 16/49)
- (अ) 20
- (ब) 10
- (स) 22
- (द) 42

(28) ..... विषघ्नानां । (च. सू. 25/40)
- (अ) स्वर्ण
- (ब) खदिर
- (स) विडंग
- (द) शिरीष

22. D	**23. B**	**24. A**	**25. B**	**26. A**	**27. C**	**28. D**

(29) स्त्री के अपत्यमार्ग में उत्तरवस्ति नेत्र कितना प्रवेश कराना चाहिए ? (च. सि. 9/66)
(अ) 10 अंगुल
(ब) 4 अंगुल
(स) 2 अंगुल
(द) 1 अंगुल

(30) 'कर्णनासं मृद्वाति' सुश्रुतानुसार कौनसे ग्रह का लक्षण है। (च. चि. 30/300)
(अ) स्कन्द ग्रह
(ब) पूतना ग्रह
(स) अंधपूतना ग्रह
(द) रेवती ग्रह

(31) 'शपथभंग' करने पर भारतीय दण्ड संहिता की कौनसी धारा लागू होती है।
(अ) **IPC 174**
(ब) **IPC 178**
(स) **IPC 179**
(द) **IPC 193**

(32) 'रौक्ष्याद्वार्युयदा गर्भ जातं जातं विनाशयेत्।' – कौनसे योनिव्यापद का लक्षण हैं ? (च. चि. 30)
(अ) पुत्रघ्नी
(ब) जातघ्नी
(स) लोहितक्षया
(द) रक्तज योनि

(33) शीतपित्त में कौनसे दोष की अधिकता रहती हैं ? (मा. नि. अ. 50/4)
(अ) वात
(ब) पित्त
(स) कफ
(द) रक्त

(34) सुश्रुतानुसार 'नासापाक' की चिकित्सा हैं ? (अ. हृ. 20/14)
(अ) वातघ्न
(ब) पित्तघ्न
(स) कफघ्न
(द) त्रिदोषघ्न

(35) 'उदगारश्च सधूमाम्लः स्वेदो दाहश्च जायते' – अष्टांग संग्रहकार के अनुसार किसका लक्षण हैं (अ. सं. नि.)
(अ) अम्लपित्त
(ब) विदग्धाजीर्ण
(स) पैत्तिक ग्रहणी
(द) अत्याग्नि रोग

29. B	**30. D**	**31. D**	**32. A**	**33. A**	**34. B**	**35. B**

(36) शूक धान्यों में अपथ्यतम है। (च. सू. 25/39)
- (अ) कोद्रव
- (ब) यवक
- (स) यव
- (द) प्रियंगु

(37) मौदगल्य पारीक्ष किस मत के समर्थक थे। (च. सू. 25/9)
- (अ) सत्ववाद
- (ब) आत्मवाद
- (स) रसवाद
- (द) षड्धातुवाद

(38) 'हस्तपादशिरसां पंच्चपिण्डका निवर्तन्ते'' – सुश्रुतानुसार गर्भ के कौनसे महीने की स्थिति है। (सु. शा. 3/15)
- (अ) तृतीय
- (ब) चतुर्थ
- (स) पंचम्
- (द) सप्तम्

(39) धन्वतरि के मतानुसार गर्भ में सर्वप्रथम किस अंग की उत्पत्ति होती हैं ? (सु. शा. 3/30)
- (अ) ह्रदय
- (ब) शिर
- (स) नाभि
- (द) सभी अंग एक साथ उत्पन्न होते है

(40) 'एक एव रस इत्युवाच' – किस आचार्य का मत है। (च. सू. 26/7)
- (अ) भद्रकाप्य
- (ब) शाकुन्तेय
- (स) धामार्गव
- (द) कांकायन

(41) 'घृत' किस दोष की परमौषध है। (अ. ह्र. सू. 1/25)
- (अ) वात
- (ब) पित्त
- (स) कफ
- (द) रक्त

(42) स्नेहौ मधुस्नेहौ जलस्नैहौवा। विशेषादान्तरीक्षोदकानुपानौ – विशेषतया मधु और स्नेह के साथ अंतरिक्ष जल का सेवन करना – किस प्रकार का विरूद्ध हैं ? (सु. सू. 20/15)
- (अ) मान
- (ब) कर्म
- (स) संयोग
- (द) वीर्य

36. B	**37. B**	**38. A**	**39. D**	**40. A**	**41. B**	**42. A**

(43) किस ऋतु में अग्निकर्म का निषेध है (सु. सू. 12/5)
- (अ) ग्रीष्म ऋतु
- (ब) शरद ऋतु
- (स) ग्रीष्म + शरद ऋतु
- (द) प्रावृट् ऋतु

(44) 'इन्दु रश्मियॉं' किस दोष की परमौषध है। (अ. सं. सू. 21/4)
- (अ) वात
- (ब) पित्त
- (स) कफ
- (द) रक्त

(45) मांस, असृक, कफ एवं मेदसार से कौन से गर्भ अवयव का निर्माण होता हैं ? (सु. शा. 4/30)
- (अ) जिह्वा
- (ब) हृदय
- (स) वृषण
- (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(46) चरकानुसार 'अणुतैल' की कल्प रूप में मात्रा है ? (च. सू 5/68)
- (अ) 1 पल
- (ब) अर्द्ध पल
- (स) 2 पल
- (द) 1½ पल

(47) रक्तपित्त के प्रकुपित होने की संभावना किस ऋतु में अधिक होगी ?
- (अ) हेमन्त
- (ब) शिशिर
- (स) वर्षा
- (द) शरद

(48) चरक ने 'सौवीरान्जन' का प्रयोग काल बतलाया है ? (च. सू. 5/15)
- (अ) नित्य
- (ब) 5वें या 8वें रात्रि में
- (स) 5वें या 8वें दिन में
- (द) सप्ताह में 1 बार

(49) सुश्रुतानुसार 'परिषेकाभ्यंगावगाहादिषु ..... तैलं प्रशस्यते।' (सु. सू. 45/112)
- (अ) तिल
- (ब) एरण्ड
- (स) सर्षप
- (द) बला

43. C	**44. B**	**45. C**	**46. B**	**47. D**	**48. A**	**49. A**

(50) गर्भ, बाल, कुमार – वय वर्गीकरण किस आचार्य का अवदान हैं ?
- (अ) हारीत
- (ब) चरक
- (स) भाव प्रकाश
- (द) काश्यप

(51) चरकानुसार मूलिनी द्रव्यों की संख्या है ? (च. सू. 1/75)
- (अ) 16
- (ब) 19
- (स) 28
- (द) 32

(52) सुश्रुतानुसार कर्ण रोगों की संख्या है ?
- (अ) 4
- (ब) 28
- (स) 25
- (द) 18

(53) उन्माद, अपस्मार, ग्रहबाधा नाशक मूत्र है ? (च. सू. 1/106)
- (अ) हस्ति
- (ब) उष्ट्र
- (स) खर
- (द) वाजि

(54) चरक ने 'चतुर्थक ज्वर' के कितने भेद माने हैं ? (च. चि. 3/72)
- (अ) 1
- (ब) 2
- (स) 3
- (द) 4

(55) 'रक्तपित्तहरो दाहमेदोघ्नो योनिदोषहृत' – सुश्रुतानुसार किस गण का गुणधर्म है ? (सु. सू. 38/49)
- (अ) श्यामादि गण
- (ब) न्योग्रोधादि गण
- (स) वरूणादि गण
- (द) आरग्वधादि गण

(56) दोषादि के विशिष्ट मान के लिए चरक ने किस स्थान का निर्देश किया है। (च. सू. 30/34)
- (अ) सूत्र स्थान
- (ब) विमान स्थान
- (स) कल्प स्थान
- (द) शारीर स्थान

50. D	**51. A**	**52. B**	**53. C**	**54. B**	**55. B**	**56. B**

(57) निम्न में से कम्पिल्लक का पर्याय है ?
- (अ) रक्तांग
- (ब) रेचक
- (स) रंगदायक
- (द) उर्पयुक्त सभी

(58) निम्न में से रक्तस्राव रोधक उपाय नहीं है। (सु. सू 14/39)
- (अ) पाचन
- (ब) दहन
- (स) संधान
- (द) सीवन

(59) दूष्यन्ति वातलानां च सेवनात – चरकानुसार कौनसा स्रोत्रस् दुष्टता का कारण है। (च. सू. 5/17)
- (अ) मांसवह
- (ब) मज्जावह
- (स) अस्थिवह
- (द) रक्तवह

(60) रसादि साम्ये यत् कर्म विशिष्टं तत् ..... ।' (अ. ह. सू. 2/26)
- (अ) द्रव्यम्
- (ब) वीयम्
- (स) रसम्
- (द) प्रभावजम्

(61) सुश्रुतानुसार आसन्न प्रसवा को क्या आकण्ठ पलाने का निर्देश किया है ? (सु. शा. 10/10)
- (अ) इक्षुरस
- (ब) दुग्ध
- (स) उदक
- (द) यवागू

(62) स्त्री शरीर में कितनी पेशीयॉ अधिक होती है ? (सु. शा. 5/51)
- (अ) 10
- (ब) 8
- (स) 4
- (द) 20

(63) शुक्रज ज्वर होता है ? (च. चि. 3/83)
- (अ) साध्य
- (ब) कृच्छ्रसाध्य
- (स) याप्य
- (द) असाध्य

57. A	**58. D**	**59. C**	**60. D**	**61. D**	**62. D**	**63. D**

(64) चरकानुसार शिलाजतु सेवन काल में अपथ्य है। (च. चि. 1/पाद 3/63)
- (अ) विदाही अन्नपान
- (ब) कुलत्थ
- (स) काकमाची
- (द) अ, ब दानों

(65) 'कोर संधि' का उदाहरण है ? (सु. शा. 5/33)
- (अ) जानु
- (ब) अंस
- (स) ग्रीवा
- (द) पृष्ठवंश

(66) स्वभावातः गुरू द्रव्य है ? (च. वि. 1/21)
- (अ) मुदग्
- (ब) माष
- (स) यव
- (द) श्यामक

(67) 'प्रकुंच' किसका पर्याय है ?
- (अ) पल
- (ब) कर्ष
- (स) प्रस्थ
- (द) कोल

(68) जौंक की लार से स्रावित होने वाला पदार्थ है ? (सु. सू. 13)
- (अ) ट्रिप्सिन
- (ब) हिपेरिन
- (स) हीरूडिन
- (द) हीस्टीडिन

(69) चरकानुसार लघु द्रव्यों में कौनसा महाभूत प्राधान्य होता है ? (च. सू. 5/6)
- (अ) वायु, आकाश
- (ब) वायु, अग्नि
- (स) वायु, अग्नि और आकाश
- (द) पृथ्वी और जल

(70) चरकानुसार कार्श्य जन्य के दोषों में – 'प्लीहा कास क्षयः श्वासो गुल्मोऽर्शास्युदराणि च कृशं प्रायो धावन्ती रोगाश्च ..... गता। (च. सू. 21/14)
- (अ) ग्रहणी
- (ब) पाण्डु
- (स) रक्त
- (द) प्रत्याख्येय

64. D	**65. A**	**66. B**	**67. A**	**68. C**	**69. A**	**70. A**

(71) मधुकोष व्याख्या के अनुसार अम्लपित्त में दोषों की स्थिति होती है ?

(अ) कफ प्रधानं, वातपित्तऽप्यत्रनुगो

(ब) पित्तं प्रधानं, वातकफऽप्यत्रनुगो

(स) वात पित्तं प्रधानं, कफावऽप्यत्रानुगो

(द) वातं प्रधानं, कफपित्तऽप्यत्रानुगो

(72) In foetal life 3rd weeks to 3rd months R.B.C. formation takes place in -

(A) Yolk Sac

(B) Spleen

(C) Liver

(D) Bone marrow

(73) Hypothalamus is situated in

(A) Hind brain

(B) Mid brain

(C) Fore brain

(D) Third ventricle

(74) Spinal cord terminates at

(A) L_3

(B) $L_1 - L_2$

(C) L_5

(D) None of the above

----------X----------X----------

71. B	**72. A**	**73. B**	**74. B**			